जन एक्सप्रेस

/janexpresslive

लखनऊ, शुक्रवार, 23 जुलाई, 2021, वर्ष : 12, अंक : 275, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

ने का...

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

उर्द की वैज्ञानिक खेती के विषय पर एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी. आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में गुरुवार को दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश मिश्रा ने वर्षा ऋतु में उर्द की वैज्ञानिक खेती के विषय पर एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि उर्द अधिक तापमान सहन करने की क्षमता रखने वाली बहुत कम समय में पक कर तैयार होने वाली फसल है इसका प्रयोग दाल के अतिरिक्त अन्य पौष्टिक आहार के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह वायुमंडल

की नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करके उनकी उर्वरा शक्ति को बढ़ाती है तथा इसका प्रयोग हरी खाद के रूप में किया जाता है। उड़द की बुवाई के लिए सर्वोत्तम समय जुलाई के अंतिम सप्ताह से अगस्त के अंतिम सप्ताह तक रहता है। डॉ.मिश्रा ने उड़द की प्रमुख प्रजातियां जैसे आजाद-1, आजाद-2, आजाद -3, शेखर -3, पंथ उर्दू 19 प्रमुख के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि बीज की बुवाई के लिए 12 से 16 किलोग्राम बीज प्रति हैक्टेयर आवश्यकता होती है। लाइन से लाइन की दूरी 40 से 45 सेंटीमीटर एवं पौधे से पौधे की दूरी 10 से 12 सेंटीमीटर रखी जानी चाहिए। उर्वरको के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि 20 किलोग्राम नत्रजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस, 40 किलोग्राम पोटाश, 20 किलोग्राम सल्फर एवं 20 किलोग्राम जिंक प्रति हेक्टेयर आवश्यकता होती है। बुवाई के पूर्व बीज का शोधन किसी भी फफूंदी नाशक दवा से कर लें और राइजोबियम कल्चर से उपचारित के पश्चात बुवाई करनी चाहिए।

यूपी कैटेट : तीन घंटे में हल करने होंगे 200 प्रश्न

जासं, कानपुर : उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट) 2021 का आयोजन 12 और 13 अगस्त को किया जा रहा है। प्रदेश भर में कानपुर समेत आठ केंद्र बनाए गए हैं। स्नातक-परास्नातक के लिए तीन घंटे में 200 बहुविकल्पीय प्रश्नों का हल करना होगा। एमबीए और पीएचडी के लिए 100 सवाल आएंगे। इन्हें दो घंटे में पूरा करना होगा। प्रवेश परीक्षा सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ कर रहा है। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. सर्वेंद्र कुमार ने बताया कि सही जवाब देने पर तीन नंबर मिलेंगे, गलत पर एक नंबर कट जाएगा।

www.facebook.com/worldkhabaarexpress www.twitter.com/worldkhabaarexpress www.youtube.com/worldkhabaarexpress

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

22 जुलाई 2021, गुरुवार

www.worldkhabarexpress.media MID DAY E-PAPER

सीएसए के दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक ने दी किसानों को सलाह

उड़द की वैज्ञानिक खेती कर लाभ कमाएंः डॉ. अखिलेश

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश मिश्रा ने वर्षा ऋतु में उड़द की वैज्ञानिक खेती के विषय पर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि उड़द बहुत कम समय में पक कर तैयार होने वाली फसल है और इसमें अधिक तापमान सहन करने की भी क्षमता है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि उड़द का प्रयोग दाल के अतिरिक्त अन्य पौष्टिक आहार के रूप में किया जाता है। यह वायुमंडल की नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर उनकी उर्वरा शक्ति को भी बढ़ाती है। इसका प्रयोग हरी

खाद के रूप में भी किया जाता है। उड़द की बुवाई का समय जुलाई के अंतिम सप्ताह से अगस्त के अंतिम सप्ताह तक सर्वोत्तम रहता है। उन्होंने कहा कि उड़द की प्रमुख प्रजातियां जैसे आजाद-1, आजाद-2, आजाद -3, शेखर -3, पंथ उड़द 19 प्रमुख है। बीज की बुवाई के लिए 12 से 16 किलोग्राम बीज प्रति हैक्टेयर आवश्यक है। लाइन से लाइन की दूरी 40 से 45 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 10 से 12 सेंटीमीटर रखी जानी चाहिए। उन्होंने उर्वरक के बारे में बताया कि 20 किलोग्राम नत्रजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस, 40 किलोग्राम पोटाश, 20 किलोग्राम सल्फर और 20 किलोग्राम जिंक की प्रति हेक्टेयर आवश्यकता होती है। बुवाई के पूर्व बीज का शोधन किसी भी फफूंदी नाशक दवा से कर लें और राइजोबियम कल्चर से उपचारित के बाद बुवाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि किसान वैज्ञानिक विधि से खेती करते हैं तो 12 से 15 कुंतल प्रति हेक्टेयर उड़द की पैदावार होगी और किसान लाभांवित होंगे।

अमर उजाला
शुक्रवार • 23.07.2021
05
kanpur.amarujala.com

यूपीकैटेट आठ जिलों में, माइनस मार्किंग भी

कानपुर। उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट) 2021 आठ जिलों में 12 और 13 अगस्त को होगी। हालांकि अभी तक यूपीकैटेट के आयोजक सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि का ऐलान नहीं किया है। परीक्षा में माइनस मार्किंग भी होगी। सीएसए कुलसचिव डॉ. सर्वेंद्र ने बताया कि कानपुर, अयोध्या, बांदा, वाराणसी, लखनऊ, आगरा, बरेली और मेरठ में परीक्षा कराई जाएगी। स्नातक और परास्नातक के अभ्यर्थियों को तीन घंटे में 200 बहुविकल्पीय प्रश्न हल करने होंगे, जिसका पूर्णांक 600 अंक होगा। वहीं, पीएचडी और एमबीएम में दाखिले के लिए दो घंटे में 100 बहुविकल्पीय प्रश्नों को हल करना होगा। इनका पूर्णांक 200 अंक होगा। हर प्रवेश परीक्षा में एक सवाल के सही उत्तर के लिए तीन अंक मिलेंगे और गलत उत्तर देने पर एक अंक कट जाएगा। स्नातक, परास्नातक की प्रवेश परीक्षा सुबह नौ से 12 बजे, पीएचडी की प्रवेश परीक्षा सुबह नौ से 11 और एमबीए की प्रवेश परीक्षा दोपहर तीन से पांच बजे तक होगी। सवालों को हल करने के लिए ओएमआर शीट का प्रयोग किया जा रहा है। इससे परीक्षा परिणाम जल्दी जारी किया जा सकेगा। (ब्यूरो)

हिन्दुस्तान 02
कानपुर • शुक्रवार • 23 जुलाई 2021

12 व 13 अगस्त को यूपी कैटेट, 8 केंद्रों पर परीक्षा

कानपुर। उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट-2021) 12 और 13 अगस्त को होगी। प्रदेश के आठ शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। जल्द प्रवेश पत्र भी जारी किए जाएंगे। परीक्षा कानपुर, अयोध्या, बांदा, वाराणसी, लखनऊ, आगरा, बरेली और मेरठ में कराई जाएगी।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. सर्वेंद्र ने बताया कि स्नातक और परास्नातक के अभ्यर्थियों को तीन घंटे में 200 बहुविकल्पीय प्रश्नों को हल करना होगा। इसका पूर्णांक 600 अंक का होगा। वहीं, पीएचडी और एमबीएम में दाखिले के लिए परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को दो घंटे में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न हल करने होंगे, जिसका पूर्णांक 200 अंक होगा।

सही उत्तर के लिए मिलेंगे तीन अंक

परीक्षा में एक सवाल के सही उत्तर के लिए तीन अंक मिलेंगे और गलत उत्तर देने पर एक अंक की माइनस मार्किंग होगी। स्नातक, परास्नातक की प्रवेश परीक्षा सुबह 09 से 12 बजे, पीएचडी की प्रवेश परीक्षा सुबह 09 से 11 और एमबीए की प्रवेश परीक्षा दोपहर 04 से शाम 05 बजे तक होगी। पेपर ओएमआर बेस्ड होगा। कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा।